056 सूरह वाकिया. का मुख्तसर लफ्ज़ो मे खुलासा.

नोट.- ये PDF फाइल कोई भाषा या व्याकरण नही हे,
बल्कि दीन-ए-इस्लाम को समझने के लिये हे.

बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहिम.

• इस मुबारक सूरह का खुलासा.

सूरह के नाम से ज़ाहिर हे कि इस्मे कयामत के यकीनी वाकिये का बयान हे. उस दिन इन्सानो की तीन जमाते होगी. (1) अल्लाह के नज़दीकी लोग. (2) आम मोमिन. (3) हक्का इन्कार करने वाले.

| कयामत के दिन नजात पाने वाली जमात.

कयामत वाके होकर रहेगी, उस्के वाके होने मे किसी शक व शुबा की कोई गुंजाइश नही हे, उस दिन लोगो को ईमान और अमल की कसोटी पर परखा जायेगा.

उस दिन लोग तीन जमातो पर तकसीम होगे.-

एक जमात वो होगी जिन्के आमाल नामे उन्के सीधे हाथ मे दिये जायेगे.

दूसरी जमात वो होगी जिन्के आमाल नामे उन्के बाये (उलटे) हाथ मे दिये जायेगे.

तीसरी जमात अल्लाह के खास बन्दो की होगी.

ये अल्लाह के खास बन्दे सोने से जडे हुवे तारो से बने हुवे पलंगो पर तकये लगाये हुवे आमने सामने बैठे होगे, उन्की मजलिसो मे रेहने वाले लडके शराब से भरे हुवे प्याले लिये हुवे दौडते फिरते होगे, जिसे पीकर ना तो उन्को सर दर्द होगा ना उन्की अकल मे कोई खराबी

आयेगी, पसन्दीदा मेवे और पसन्दी परिन्दो के गोश्त, खूबसूरत आंखो वाली हूरे, ऐसी हसीन जैसे छुपा कर रखे हुवे मौती, ये सब कुछ उन्के नेक कामो के बदले मे नेमते मिलेगी.
और इन दाये बाजू वालो की खुश-नसीबी का तो क्या ही कहना! वो बगैर कांटे वाली बेरिया, एक के ऊपर एक तह चढे हुवे केले, हर वकत बेहने वाले पानी के किनारे जो कभी खत्म ना होने वाले, बगैर रोक-टोक के बहुत से फलो के साथ उंची बैठक-ओ मे होगे. उन्की बीवियो को हम खास तौर से नये सिरे से पैदा करेगे, और उन्हे कुवारी बनायेगे, अपने शौहर को चाहने वाली और बराबर की उमर की.

| बाये हाथ वाले, हक्का इन्कार करने वाले.

बाये बाजू वालो का बुरा हाल होगा, वो लू की लपेट मे, खोलते हुवे पानी मे और काले धूवे के साये मे होगे, जो ना ठंडा होगा और ना आराम देने वाला, वो बडे-बडे गुनाहो पर डटे रेहते थे, वो मरने के बाद ज़िन्दा होने और हिसाब किताब का इन्कार करते थे, आज ये थोहर के दरख्त के फल से पेट भरेगे, (नागफनी की प्रजाति का एक कांटेदार पौधा) उन्को खोलता हुवा पानी पिलाया जायेगा.
हमने तुम्हे पैदा किया, फिर तुम तस्दीक क्यू नही करते? नुतफे (मनी) से बच्चा बनाने वाला कौन हे? ये बीज जो तुम ज़मीन मे बोते हो उस्से खेतिया तुम उगाते हो या हम उगाने वाले हे? अगर हम इन फसलो का चुरा-चुरा करदे तो तुम सिर्फ बाते बनाते रेह जावोगे.
ये पानी जो तुम पीते हो, बतावो! ये किसने बरसाया हे? अगर हम इन्हे चाहे तो नमकीन और कसेला बनादे, फिर तुम अल्लाह का शुक्र

क्यू नही अदा करते? ये आग जो तुम सुलगते हो उस्का दरख्त क्या तुमने पैदा किया हे या हमने? हमने इस दरख्त को (जहन्नम) याद दिलाने का ज़रिया और मुसाफिरो और जरूरतमंदो के इस्तेमाल का सामान बना दिया हे.

| कुरान को मान्ने वाले और ना मान्ने वाले.

बेशक कुरान एक उंचे दर्ज़े की किताब हे, लोहे मेहफूज़ मे लिखी हुई हे, जिसे ५ लोगो के सिवा कोई नही छूता, क्या तुम इस किताब से गफलत बरत रहे हो? तुमने इस्के इन्कार को अपना वज़ीफा बना रखा हे, (अपनी आदत बना ली हे).

सोचो! जब जान हलक मे अटक जाती हे, और तुम देख रहे होते हो कि ये मर रहा हे, और तुम कुछ नही कर सकते, अगर तुम्मे ताकत हो तो उस्की जान को वापस करके दिखावो, अगर मरने वाला अल्लाह के नजदीकी लोगो मेसे हे तो उस्के लिये राहत और उम्दा रिज़्क हे, नेमतो से भरी हुई जन्नत हे.

अगर उस्को आमाल नामा सीधे हाथ मे मिला हे तो फरिश्ते उस्का सलामती के साथ इस्तेकबाल करते हे, अगर वो झूठलाने वाली जमात मेसे हे तो उस्के लिये खोलता हुवा पानी हे, और जहन्नम मे झोक दिया जाना हे, ये सब बिल्कुल सच हे, तो आप अपने रब की तस्बीह किया करे.

खुलासा मज़ामीने कुरान उर्दू किताब. | मौलाना मलिक अब्दुर्रउफ साहब.